साउथ दिल्ली के लिए बीआरपीएल का एक और ग्रिड

मुख्यमंत्री ने रखी आधारशिला

- 66/11 केवी का ग्रिड होगा, 50 एमवीए होगी क्षमता
- जसोला, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, सुखदेव विहार जैसे पॉश इलाकों को होगा फायदा
- अनाधिकृत कॉलोनियों को मिलेगी और बेहतर बिजली

नई दिल्लीः 1 फरवरी, 2013। बिजली की निरंतर बढ़ती मांग को देखते हुए, बीआरपीएल साउथ दिल्ली में एक नया ग्रिड स्टेशन बनाने जा रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने आज इस 66/11 केवी ग्रिड की आधारशिला रखी। साउथ दिल्ली के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र जसोला में नए ग्रिड की आधारशिला रखी गई। ग्रिड को तैयार कर, उसे ऑपरेशनल बनाने पर 26 करोड़ रूपये की लागत आएगी। यह बीवाईपीएल का 79वां ग्रिड होगा।

आधारशिला समारोह में, दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री हारून यूसुफ, सांसद श्री संदीप दीक्षित, विधायक श्री आसिफ मोहम्मद खान, पार्षद श्रीमती नीतू सिंह, दिल्ली सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी पावर श्री शक्ति सिन्हा और बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के नेतृत्व में कंपनी के सीनियर ऑफिसर भी मौजूद थे।

बीआरपीएल लगातार अपने नेटवर्क का आधुनिकीकरण कर रही है, ताकि समाज के सभी वर्गों के लोगों तक इसका लाभ पहुंचे। इस ग्रिड के बनने से खासतौर पर जसोला डिस्ट्रिक्ट सेंटर, दिल्ली जल बोर्ड पंपिंग स्टेशन, सरिता विहार, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, सुखदेव विहार, जाकिर नगर और जसोला के उपभोक्ताओं को फायदा होगा। इन हाई प्रोफाइल इलाकों के अलावा, इस ग्रिड से शाहीनबाग, अबुल फजल एन्क्लेव और मदनपुर खादर जैसी अनाधिकृत कॉलोनियों को भी काफी लाभ होगा। इन इलाकों को और अधिक विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी। साथ ही, बिजली की गुणवत्ता, वॉल्टेज आदि में भी क्रांतिकारी सुधार आएगा।

इस इलाके में फिलहाल बिजी की डिमांड 160 एमवीए है, और यह सालाना लगभग 10 प्रतिशत की गति से बढ़ रही है। तेज गति से बढ़ रही बिजली की मांग को पूरा करने के लिए इस इलाके में यह दूसरा ग्रिड स्टेशन बनाया जा रहा है। इससे पहले, 2006 में यहां एक ग्रिड लगाया गया था। वह ग्रिड भी 66/ 11 केवी का था।

ग्रिड की आधारशिला रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा– तेजी से विकसित हो रहे जसोला इलाके के घरेलू व व्यावसायिक ठिकानों को नए ग्रिड से काफी फायदा होगा। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि सरिता विहार जैसे इलाकों के अलावा, इस ग्रिड से शाहीनबाग और अबुल फजल एन्क्लेव जैसी कॉलोनियों को भी लाभ होगा। हमें विश्वास है कि इस इलाके के विकास में बीआरपीएल हमेशा की तरह बराबर का भागीदार रहेगी।

ग्रिड के लिए बीआरपीएल को बधाई देते हुए ऊर्जा मंत्री श्री हारून यूसुफ ने कहा– इस ग्रिड से इलाके के लोगों और व्यवसाइयों की पुरानी मांग पूरी हो गई है। मुझे पूरा विश्वास है कि ग्रिड के बनने के बाद यहां बिजली की स्थिति में और सुधार आएगा, खासकर ऐसी स्थिति में, जब मांग बढ़ जाती है।

शिलान्यास के मौके पर बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना ने कहा– दिल्ली में बिजली की मांग में काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। पिछले 10 साल के दौरान बीआरपीएल के दक्षिण और पश्चिम दिल्ली इलाकों में बिजली की मांग में 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 2002 में बीआरपीएल में बिजली की मांग 1259 मेगावॉट थी, जो 2012 में बढ़कर 2338 मेगावॉट हो गई। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बीआरपीएल लगातार अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत बना रही है और अपनी वितरण क्षमता भी बढ़ा रही है। 50 एमवीए वाला यह ग्रिड दक्षिण दिल्ली के तेज आवासीय व व्यावसायिक विकास के साथ तालमेल बिठाकर, इलाके की, भविष्य की बिजली–जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा।

बीआरपीएल प्रवक्ता के मुताबिक– दिल्ली को दुनिया के बड़े व विकसित शहरों के साथ खड़ा करने की कोशिश के तहत, बीआरपीएल इस ग्रिड में विश्वस्तरीय व अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। यह ग्रिड भी बालाजी एस्टेट स्थित स्काडा कंट्रोल रूम से जुड़ा होगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि ब्रेकडाउन आदि की स्थिति में, समस्या का तेजी से समाधान हो और जल्द से जल्द बिजली बहाल हो।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।